

# यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

1848 में, यूरोप भर में क्रांतिकारी आंदोलनों की अवधि के दौरान, फ्रांसीसी कलाकार फ्रेडरिक सोरियू ने चार प्रिंटों की एक श्रृंखला बनाई, जिसमें एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई जिसे उन्होंने "लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्य" कहा।

## पहले प्रिंट की मुख्य विशेषताएं

एक. राष्ट्रों का एक जुलूसप्रिंट यूरोप और अमेरिका के लोगों को दिखाता है - सभी उम्र और सामाजिक वर्गों के पुरुष और महिलाएं - एक भव्य जुलूस में एक साथ मार्च करते हैं।

- उन्हें अलग-अलग राष्ट्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें उनके झंडे और राष्ट्रीय वेशभूषा से पहचाना जा सकता है।
- यह 19वीं सदी में राष्ट्रवाद के बढ़ते विचार को दर्शाता है।

दो. स्वतंत्रता के लिए श्रद्धांजलिकेंद्र में स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी है, जिसे एक महिला आकृति के रूप में व्यक्त किया गया है, जो फ्रांसीसी क्रांति के दौरान एक सामान्य प्रतीक है।

- उसके हाथ में ज्ञानोदय की मशाल है, जो ज्ञान और प्रगति का प्रतीक है।
- अपने दूसरे हाथ में, वह मनुष्य के अधिकारों का चार्टर रखती है, जो समानता, न्याय और नागरिक अधिकारों का प्रतिनिधित्व करती है।



तीन. निरंकुशता के बिखरे हुए प्रतीकअग्रभूमि में निरंकुश संस्थानों (जैसे राजशाही और अत्याचार) का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतीकों के टूटे हुए अवशेष हैं।

- यह निरंकुश शासन के अंत और लोकतांत्रिक आदर्शों की विजय का प्रतीक है।

चार. जुलूस के मोर्चे पर संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्जरलैंड हैं, जो 1848 तक पहले से ही राष्ट्र-राज्य स्थापित कर चुके थे।

- उनकी स्थिति से पता चलता है कि उन्हें गणतांत्रिक शासन के मॉडल के रूप में देखा जाता था।

## ➤ निरपेक्ष

एक निरंकुश सरकार एक ऐसी प्रणाली है जहां शासक (आमतौर पर एक राजा या रानी) के पास पूरी शक्ति होती है। उनके अधिकार की कोई कानूनी सीमा नहीं है।

इतिहास में, यह एक केंद्रीकृत, सैन्यीकृत और अक्सर दमनकारी राजशाही को संदर्भित करता है, जहां:

- सम्राट सभी प्रमुख निर्णय लेता है।
- लोगों के पास बहुत कम राजनीतिक अधिकार हैं।
- विरोध आमतौर पर बर्दाश्त नहीं किया जाता है।

## ➤ यूटोपियन

यूटोपियन एक आदर्श या आदर्श समाज को संदर्भित करता है जिसकी कल्पना की जाती है लेकिन वास्तविकता में मौजूद होने की संभावना नहीं है।

यह एक दृष्टि का वर्णन करता है जहां:

- समानता है,
- सभी के लिए न्याय,
- कोई संघर्ष या पीड़ा नहीं,
- समाज में पूर्ण सद्भाव।

#### ❖ फ्रांस और क्रांतिकारी तिरंगा

प्रिंट में, फ्रांस को क्रांतिकारी तिरंगा (नीला, सफेद, लाल) लिए हुए दिखाया गया है। यह अभी स्टैचू ऑफ लिबर्टी तक पहुंचा है, जो फ्रांसीसी क्रांति के बाद स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को फैलाने में इसकी अग्रणी भूमिका का प्रतीक है।

#### जर्मन लोग और काला-लाल-सोने का झंडा

फ्रांस के बाद जर्मन लोग हैं, जिनके पास काला, लाल और सुनहरा झंडा है।

- 1848 में, जर्मनी अभी तक एक संयुक्त राष्ट्र नहीं था।
- इसमें कई जर्मन भाषी रियासतें शामिल थीं।
- ध्वज ने इन राज्यों को एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत एक राष्ट्र-राज्य में एकजुट करने की उदार आशा का प्रतिनिधित्व किया।

#### ❖ जुलूस में अन्य राष्ट्र

जर्मनी के बाद निम्नलिखित के लोग आते हैं:

- ऑस्ट्रिया
- दो सिसिली का साम्राज्य
- लोम्बार्डी
- पोलैंड
- इंग्लैंड
- आयरलैंड
- हंगरी
- रूस

#### ❖ बंधुत्व का प्रतीक

ऊपर से, मसीह, संत और स्वर्गदूत जुलूस को नीचे देखते हैं।

- वे राष्ट्रों के बीच भाईचारे (भाईचारे) का प्रतीक हैं।
- यह विभिन्न लोगों के बीच एकता, शांति और सहयोग का सुझाव देता है।

#### ❖ उन्नीसवीं सदी के यूरोप में राष्ट्रवाद

अध्याय बताता है कि कैसे 19 वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद एक शक्तिशाली शक्ति बन गया।

#### 1. वंशवादी साम्राज्यों से राष्ट्र-राज्यों तक

राष्ट्रवाद से पहले:

- यूरोप में बहु-राष्ट्रीय राजवंशीय साम्राज्यों (विभिन्न जातीय समूहों पर राजाओं या सम्राटों द्वारा शासित) का प्रभुत्व था।

राष्ट्रवाद के बाद:

- इन साम्राज्यों ने धीरे-धीरे राष्ट्र-राज्यों को रास्ता दिया।

## 2. आधुनिक राज्य क्या है?

एक आधुनिक राज्य में है:

- एक केंद्रीकृत सरकार
- स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र पर संप्रभु नियंत्रण

## 3. राष्ट्र-राज्य क्या है?

एक राष्ट्र-राज्य अलग है क्योंकि:

- इसके अधिकांश नागरिक एक समान पहचान साझा करते हैं,
- साझा इतिहास, संस्कृति या वंश की भावना,
- न केवल एक शासक के प्रति, बल्कि राष्ट्र के प्रति वफादारी।

एकता की यह भावना प्राकृतिक या प्राचीन नहीं थी - इसे इसके माध्यम से बनाया गया था:

- राजनीतिक संघर्ष
- क्रांतियाँ
- नेतृत्व आंदोलन
- आम लोगों की भागीदारी

एक. फ्रेडरिक सोरियू के 1848 प्रिंट मुख्य रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं:

ए। राजशाही की शक्तिबी। लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों की दुनियासी। औद्योगीकरण का उदय डी। धर्म का पतन

उत्तर: B

दो. पहले प्रिंट में, लोगों को मार्च करते हुए दिखाया गया है:A

. शाही शादी मनाएंB. औद्योगीकरण का विरोध C. लिबर्टीडी को श्रद्धांजलि अर्पित करें। उच्च मजदूरी की मांग करें

उत्तर: C

तीन. प्रिंट में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी में एक मशाल है जो प्रतीक है:

ए वारबी। आत्मज्ञान और ज्ञानसी। राजशाहीडी। धन

उत्तर: B

चार. मनुष्य के अधिकारों का चार्टर प्रतिनिधित्व करता है:

A. राजाओं का दैवीय अधिकारB. गुलामीसी। समानता और नागरिक अधिकार डी। औपनिवेशिक शासन

उत्तर: C

पाँच. अग्रभूमि में पड़े टूटे हुए प्रतीक के अंत का प्रतिनिधित्व करते हैं:A

. DemocracyB. राष्ट्रवाद

छः. किन दो देशों को स्थापित राष्ट्र-राज्यों के रूप में जुलूस का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया है?

A. जर्मनी और इटलीB. ऑस्ट्रिया और रूससी। संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्जरलैंडडी। फ्रांस और इंग्लैंड

उत्तर: C

सात. जर्मन लोगों द्वारा ले जाया गया काला-लाल-सोने का झंडा प्रतीक था:A

. सैन्य शक्तिB. राष्ट्रीय एकीकरण के लिए उदारवादी उम्मीदेंसी। धार्मिक एकताD. औपनिवेशिक विस्तार

Answer: B

आठ. 1848 में, जर्मनी:

A. एक एकजुट साम्राज्य थाB. कई रियासतों में विभाजित किया गया थासी। फ्रांसडी द्वारा शासित था। पहले से ही एक गणतंत्र था

उत्तर: B

नौ. क्रांतिकारी तिरंगा (नीला-सफेद-लाल) द्वारा किया गया था:A

. इटलीबी। जर्मनीसी। फ्रांसडी। रूस

उत्तर: सी

दस. आकाश में मसीह, संतों और स्वर्गदूतों की उपस्थिति का प्रतीक है:A

. धार्मिक वर्चस्वबी। राजशाही की श्रेष्ठतासी। राष्ट्रों के बीच बंधुत्व

C. निरंकुश संस्थाएं D. औद्योगिक समाज  
उत्तर: C

D. क्रांति का डर  
Answer: C

## ❖ फ्रांसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार

राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ उभरी। क्रांति से पहले, फ्रांस एक मजबूत क्षेत्रीय राज्य था जिस पर एक पूर्ण सम्राट का शासन था।

क्रांति ने बड़े राजनीतिक और संवैधानिक परिवर्तन लाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि **संप्रभुता (सर्वोच्च शक्ति) को** राजशाही से लोगों को हस्तांतरित किया गया था। तब से, राष्ट्र को उसके नागरिकों द्वारा आकार दिया जाना था, न कि किसी राजा द्वारा।

❖ अब फ्रांसीसी क्रांति ने राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया

### 1. संप्रभुता का हस्तांतरण

- सत्ता राजा से फ्रांसीसी नागरिकों के एक निकाय में स्थानांतरित हो गई।
- क्रांति ने घोषणा की कि **लोगों ने राष्ट्र का गठन किया।**



### 2. सामूहिक पहचान का निर्माण

क्रांतिकारियों ने एकता बनाने के लिए कई कदम उठाए:

- ला पैट्री (पितृभूमि) और ले सिटोयेन (नागरिक) के विचारों ने एक संविधान के तहत समान अधिकारों के विचार को बढ़ावा दिया।
- तिरंगे झंडे ने शाही मानक की जगह ले ली।
- एस्टेट्स जनरल का नाम बदलकर नेशनल असेंबली कर दिया गया।
- नए राष्ट्रीय भजनों की रचना की गई।
- राष्ट्र के नाम पर शपथ ली गई, शहीदों को सम्मानित किया गया।

### 3. प्रशासनिक और कानूनी सुधार

एकता को मजबूत करने के लिए:

- एक केंद्रीकृत प्रशासनिक प्रणाली शुरू की गई थी।
- सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाए गए।
- आंतरिक सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया।
- वजन और माप की एक समान प्रणाली अपनाई गई थी।
- क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया।
- फ्रेंच (पेरिस में बोली जाने वाली) आम राष्ट्रीय भाषा बन गई।

इन उपायों ने लोगों के बीच साझा पहचान की भावना पैदा करने में मदद की।

पाँच. यूरोप में राष्ट्रवाद का प्रसार

**छः.** क्रांतिकारियों का मानना था कि यूरोप को निरंकुशता (अत्याचारी शासन) से मुक्त करना फ्रांस का मिशन था।

- अन्य यूरोपीय शहरों में छात्रों और शिक्षित मध्यम वर्ग के लोगों ने **फ्रांसीसी विचारों से प्रेरित** जैकोबिन क्लबों का गठन किया।
- 1790 के दशक के दौरान, फ्रांसीसी सेनाएं इसमें चली गईं:
  - हॉलैंड
  - बेल्जियम
  - स्विट्ज़रलैंड
  - इटली का अधिकांश भाग

## ❖ नेपोलियन बोनापार्ट और क्रांतिकारी सुधारों का प्रसार

यूरोप के बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल करने के बाद, **नेपोलियन बोनापार्ट ने** कई सुधारों की शुरुआत की जो उन्होंने पहले फ्रांस में लागू किए थे। यद्यपि उन्होंने राजशाही और सीमित लोकतंत्र को बहाल किया, लेकिन उन्होंने प्रशासन में कई क्रांतिकारी सिद्धांतों को संरक्षित किया।

### नेपोलियन कोड (1804)

उनके सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक **1804 का नागरिक संहिता** था, जिसे नेपोलियन कोड के रूप में भी जाना जाता है।

#### ➤ मुख्य विशेषताएं:

- जन्म के आधार पर विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया
- कानून के समक्ष समानता **स्थापित की**
- संपत्ति का अधिकार **सुरक्षित किया**

यह कोड फ्रांसीसी नियंत्रण वाले क्षेत्रों में पेश किया गया था।

#### ➤ विजित क्षेत्रों में प्रशासनिक और सामाजिक सुधार

इस तरह के स्थानों में:

- हॉलैंड
- स्विट्ज़रलैंड
- इटली
- जर्मनी

नेपोलियन:

- सरलीकृत प्रशासनिक प्रभाग
- सामंती व्यवस्था को खत्म किया
- किसानों को दासता और जागीर के बकाया से मुक्त किया गया
- कस्बों में गिल्ड प्रतिबंध हटा दिए गए
- बेहतर परिवहन और संचार

#### ➤ आर्थिक प्रभाव:

व्यवसायियों और छोटे पैमाने के उत्पादकों को इससे लाभ हुआ:

- समान कानून
- मानकीकृत वजन और माप
- सामान्य राष्ट्रीय मुद्रा

इससे विभिन्न क्षेत्रों में माल का व्यापार और आवाजाही आसान हो गई।

#### ➤ फ्रांसीसी शासन के लिए मिश्रित प्रतिक्रियाएं

प्रारंभ में, जैसे स्थानों में:

- हॉलैंड
- स्विट्ज़रलैंड



- ब्रुसेल्स
- मेंज
- मिलान
- वारसाँ

फ्रांसीसी सेनाओं का स्वतंत्रता लाने वालों के रूप में स्वागत किया गया। हालाँकि, उत्साह जल्द ही शत्रुता में बदल गया क्योंकि:

- राजनीतिक स्वतंत्रता सीमित थी
- भारी कराधान लगाया गया था
- संसरशिप बढ़ी
- फ्रांसीसी सेनाओं में जबरन भर्ती ने लोगों पर बोझ डाल दिया।

## ❖ यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण

### राष्ट्रवाद और राष्ट्र-राज्य का उदय कैसे हुआ?

राष्ट्रवाद अचानक प्रकट नहीं हुआ। यह कई महत्वपूर्ण कारकों के कारण धीरे-धीरे विकसित हुआ:

#### 1. फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव (1789)

- सम्राट से लोगों को संप्रभुता हस्तांतरित कर दी गई।
- स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को बढ़ावा दिया।
- इस अवधारणा को पेश किया कि एक राष्ट्र नागरिकों से बना है।
- अन्य यूरोपीय क्षेत्रों को राजनीतिक अधिकारों और राष्ट्रीय एकता की मांग करने के लिए प्रेरित किया।

यह आधुनिक राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति थी।

#### 2. नेपोलियन सुधार

नेपोलियन बोनापार्ट के तहत:

- सामंती विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया।
- नेपोलियन कोड के माध्यम से कानून के समक्ष समानता पेश की गई थी।
- प्रशासनिक व्यवस्थाएं केंद्रीकृत थीं।

यद्यपि नेपोलियन ने एक सम्राट के रूप में शासन किया, लेकिन उनके सुधारों ने पूरे यूरोप में क्रांतिकारी विचारों को फैलाया, राष्ट्रवादी भावनाओं को प्रोत्साहित किया।

#### 3. सांस्कृतिक आंदोलन (स्वच्छंदतावाद)

- लेखकों, कवियों और कलाकारों ने राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा दिया।
- स्थानीय भाषाओं और लोककथाओं को पुनर्जीवित किया गया।
- साझा सांस्कृतिक परंपराओं ने अपनेपन की भावना पैदा करने में मदद की।

संस्कृति राष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन गई।

#### 4. आर्थिक परिवर्तन

- व्यापार और औद्योगीकरण के विकास के लिए एकीकृत बाजारों की आवश्यकता थी।
- आंतरिक व्यापार बाधाओं को हटाने से आर्थिक एकता को बढ़ावा मिला।
- एक सामान्य मुद्रा, मानकीकृत भार और बेहतर परिवहन ने लोगों के बीच संबंधों को मजबूत किया।

आर्थिक एकीकरण ने राजनीतिक एकता का समर्थन किया।

#### 5. मध्यम वर्ग की भूमिका

- शिक्षित मध्यम वर्ग के लोगों (वकील, शिक्षक, व्यापारी) ने संवैधानिक सरकारों की मांग की।
- वे राष्ट्रीय एकीकरण और राजनीतिक अधिकार चाहते थे।
- उन्होंने जर्मनी और इटली में कई राष्ट्रवादी आंदोलनों का नेतृत्व किया।

वह अभिजात वर्ग और नया मध्यम वर्ग

## ❖ अभिजात वर्ग: प्रमुख वर्ग

18 वीं शताब्दी के यूरोप में, **ज़मींदार अभिजात वर्ग** सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रमुख था।

➤ **अभिजात वर्ग की विशेषताएं:**

- ग्रामीण इलाकों में बड़ी संपत्ति और शहरों में शहर के घरों का स्वामित्व था।
- कूटनीति और उच्च समाज में फ्रेंच बोलते थे।
- विभिन्न क्षेत्रों में विवाह गठबंधनों से जुड़ा हुआ है।
- एक छोटा लेकिन शक्तिशाली अभिजात वर्ग समूह बनाया।

➤ **किसान:**

- आबादी का बहुसंख्यक।
- पश्चिमी यूरोप में: किरायेदारों और छोटे मालिकों द्वारा खेती की गई भूमि।
- पूर्वी और मध्य यूरोप में: सामंती परिस्थितियों में **सफ़रों** द्वारा काम की जाने वाली बड़ी सम्पदाएँ।

➤ **नए मध्यम वर्ग का उदय**

औद्योगिकीकरण और व्यापार के विकास के साथ, नए सामाजिक समूह उभरे:

- उद्योगपति
- व्यवसायी
- पेशेवरों
- मजदूर वर्ग की आबादी

औद्योगिकीकरण 18 वीं शताब्दी के अंत में **इंग्लैंड** में शुरू हुआ और **19 वीं शताब्दी** में फ्रांस और जर्मन राज्यों में फैल गया।

यह शिक्षित उदार मध्यम वर्ग के बीच था कि राष्ट्रीय एकता और कुलीन विशेषाधिकारों के उन्मूलन के विचार लोकप्रिय हो गए।

➤ **महत्वपूर्ण तिथियां – यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण**

- **1797** – नेपोलियन ने इटली पर आक्रमण किया था. नेपोलियन युद्ध शुरू होते हैं।
- **1814-1815** - नेपोलियन का पतन; वियना शांति निपटान।
- **1821** – ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था.
- **1848** – पूरे यूरोप में संविधान और राष्ट्र-राज्यों की मांग करने वाली क्रांतियां।
- **1859-1870** - इटली का एकीकरण।
- **1866-1871** - जर्मनी का एकीकरण।
- **1905** – हैब्सबर्ग और ओटोमन साम्राज्यों में स्लाव राष्ट्रवाद मजबूत हुआ था.

➤ **उदार राष्ट्रवाद का क्या अर्थ था?**

उदारवाद शब्द लैटिन शब्द लिबर से आया है जिसका अर्थ है "मुक्त।

➤ **उदारवाद के राजनीतिक विचार:**

- व्यक्ति की स्वतंत्रता
- कानून के समक्ष समानता
- सहमति से सरकार
- संविधान और प्रतिनिधि सरकार
- निरंकुशता और लिपिक विशेषाधिकारों का अंत
- निजी संपत्ति का संरक्षण

➤ **मताधिकार (वोट देने का अधिकार)**

- प्रारंभिक उदार लोकतंत्रों में, मतदान का अधिकार केवल **संपत्ति के मालिक पुरुषों** को दिया गया था।
- महिलाओं और गैर-संपन्न पुरुषों को बाहर रखा गया था।
- महिलाओं और मजदूर वर्ग के पुरुषों ने बाद में समान अधिकारों की मांग करते हुए आंदोलन किए।

➤ **उदारवाद के आर्थिक विचार**

उदारवाद भी इसके लिए खड़ा था:

- मुक्त बाजार
- व्यापार प्रतिबंधों का उन्मूलन
- माल और पूंजी के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता

### ➤ उदाहरण: जर्मन भाषी क्षेत्र

एकीकरण से पहले:

- जर्मनी में 39 राज्य थे।
- प्रत्येक राज्य की अपनी मुद्रा और वजन और माप की प्रणाली थी।
- व्यापारियों को कई सीमा शुल्क बाधाओं को पार करना पड़ता था और शुल्कों का भुगतान करना पड़ता था।

### ❖ ज़ोलवेरिन का गठन (1834)

- प्रशिया द्वारा शुरू किया गया
- टैरिफ बाधाओं को समाप्त कर दिया।
- मुद्राओं को 30 से घटाकर 2 कर दिया गया।
- रेलवे के विकास को बढ़ावा दिया।
- आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत किया।

अर्थशास्त्री **फ्रेडरिक लिस्ट** का मानना था कि आर्थिक एकता राजनीतिक एकता और राष्ट्रीय भावना पैदा करेगी।

### ❖ 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद

1815 में नेपोलियन की हार के बाद, यूरोप ने **रूढ़िवाद के दौर में प्रवेश किया।**

#### रूढ़िवादिता:

एक राजनीतिक दर्शन जो:

- परंपरा और स्थापित संस्थानों पर जोर दिया।
- समर्थित राजशाही, चर्च, पदानुक्रम, संपत्ति और परिवार।
- तेजी से सुधार की तुलना में क्रमिक परिवर्तन को प्राथमिकता दी गई।

नेपोलियन की हार के बाद, के प्रतिनिधि:

- ब्रिटेन
- रूस
- प्रशिया
- ऑस्ट्रिया

वियना के साथ।

कांग्रेस की मेजबानी **क्लेमेंस वॉन मेटरनिच ने की थी।**

### ❖ वियना की संधि (1815) के उद्देश्य:

- राजशाही को बहाल करें (उदाहरण के लिए, फ्रांस में बॉर्बन राजवंश)।
- फ्रांसीसी क्षेत्र को कम करें।
- भविष्य में फ्रांसीसी विस्तार को रोकने के लिए बफर राज्य बनाएं।
- यूरोप में शक्ति संतुलन बनाए रखें।

#### क्षेत्रीय परिवर्तन:

- नीदरलैंड का साम्राज्य (बेल्जियम सहित) बनाया गया।
- जेनोआ ने पीडमोंट को जोड़ा।
- ऑस्ट्रिया ने उत्तरी इटली पर नियंत्रण हासिल कर लिया।
- प्रशिया को पश्चिमी क्षेत्र प्राप्त हुए।
- रूस ने पोलैंड का हिस्सा हासिल कर लिया।

### ❖ क्रांतिकारी और राष्ट्र-राज्यों के लिए संघर्ष

1815 के बाद, **उदारवादी-राष्ट्रवादियों** को रूढ़िवादी यूरोपीय शासनों के तहत दमन का सामना करना पड़ा। कई भूमिगत हो गए, गुप्त समाजों का गठन किया:

- क्रांतिकारियों को प्रशिक्षित करें
- उदारवादी और राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार करें
- वियना की कांग्रेस के बाद स्थापित राजतंत्रों का विरोध करें
- स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के लिए लड़ें
- राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के हिस्से के रूप में राष्ट्र-राज्यों के निर्माण को बढ़ावा देना

#### ➤ ग्यूसेप माज़िनी (1805-1872)

सबसे प्रमुख क्रांतिकारियों में से एक:

- जेनोआ, इटली में जन्म
- कार्बोनारी के सदस्य, एक गुप्त क्रांतिकारी समाज
- 1831 में लिगुरिया में क्रांति का प्रयास करने के लिए निर्वासित किया गया

#### ➤ मैज़िनी द्वारा स्थापित गुप्त सोसायटी

एक. यंग इटली - मार्सिले में स्थित है

दो. यंग यूरोप - बर्न, स्विट्जरलैंड में स्थित है

- इसके सदस्य पोलैंड, फ्रांस, इटली और जर्मन राज्यों के समान विचारधारा वाले युवा थे
- लोकतांत्रिक गणराज्यों और खंडित क्षेत्रों को राष्ट्र-राज्यों में एकीकृत करने की वकालत की

#### ➤ मैज़िनी की विचारधारा

- विश्वास था कि परमेश्वर का इरादा था कि राष्ट्रों को मानव जाति की प्राकृतिक इकाइयाँ बनें
- तर्क दिया कि इटली राज्यों का एक टुकड़ा नहीं रह सकता है
- एक एकीकृत इतालवी गणराज्य की वकालत की
- स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय एकीकरण को आवश्यक माना
- जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और पोलैंड में इसी तरह के गुप्त समाजों को प्रेरित किया

#### ➤ रूढ़िवादियों की प्रतिक्रियाएं

- राजशाही के विरोध और लोकतांत्रिक गणराज्यों के दृष्टिकोण ने रूढ़िवादियों को चिंतित कर दिया
- क्लेमेंस वॉन मेटर्निच ने उन्हें "हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन" के रूप में वर्णित किया

#### ❖ क्रांतियों का युग: 1830-1848

1815 के बाद के वर्षों के दौरान, उदारवाद और राष्ट्रवाद तेजी से पूरे यूरोप में क्रांति से जुड़ गए:

- प्रभावित क्षेत्र: इतालवी और जर्मन राज्य, ऑटोमन साम्राज्य के प्रांत, आयरलैंड, पोलैंड।
- नेता: शिक्षित मध्यम वर्ग के अभिजात वर्ग - प्रोफेसर, शिक्षक, क्लर्क और वाणिज्यिक वर्ग के सदस्य।

##### ○ प्रमुख क्रांतियाँ

##### ○ फ्रांस में जुलाई क्रांति (1830)

- बहाल बॉर्बन राजशाही को उखाड़ फेंका।
- लुई फिलिप के तहत एक संवैधानिक राजशाही स्थापित की।
- मेटर्निच ने प्रसिद्ध रूप से टिप्पणी की: "जब फ्रांस छींकता है, तो बाकी यूरोप को ठंड लग जाती है।"
- कहीं और विद्रोह भड़का, उदाहरण के लिए, बेल्जियम नीदरलैंड से अलग हो गया।

##### ○ यूनानी स्वतंत्रता संग्राम (1821-1832)

- ग्रीस 15 वीं शताब्दी से ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा था।
- यूरोपीय राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित क्रांति।
- समर्थन से आया:
  - यूनानी निर्वासन
  - यूरोपीय बुद्धिजीवी, कवि और कलाकार (जैसे, लॉर्ड बायरन)
- कॉन्स्टेंटिनोपल की संधि (1832) ने ग्रीस को स्वतंत्र के रूप में मान्यता दी।

##### ○ रोमांटिक कल्पना और राष्ट्रीय भावना

- स्वच्छंदतावाद: भावनाओं, अंतर्ज्ञान और साझा सांस्कृतिक विरासत पर जोर देने वाला सांस्कृतिक आंदोलन।
- लोक संस्कृति, भाषा, कला और संगीत के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान का निर्माण किया गया था।

#### ➤ जर्मनी

- **जोहान गॉटफ्रीड हर्डर** (1744-1803) ने *दास वोल्क* को बढ़ावा दिया - यह विचार कि आम लोग राष्ट्र की सच्ची भावना (*वोक्सगोइस्ट*) को मूर्त रूप देते हैं।
- **ग्रिम ब्रदर्स**: लोककथाओं का संग्रह, जर्मन भाषा विकसित की, फ्रांसीसी प्रभुत्व का विरोध किया और जर्मन राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा दिया।
- **पोलैंड**
  - पोलैंड के क्षेत्र को रूस, प्रशिया और ऑस्ट्रिया द्वारा **विभाजित किया गया था**।
  - संगीत और भाषा के माध्यम से संरक्षित राष्ट्रीय भावना:
    - **करोल कुरपिंस्की** ने पोलोनेज़ और माजुर्का जैसे लोक नृत्यों को राष्ट्रवादी प्रतीकों में बदल दिया।
  - रूसी भाषा को थोपने के रूसी प्रयासों ने पोलिश पादरियों को अधिकारियों की अवहेलना करते हुए चर्चों और स्कूलों में पोलिश का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।
    - **भूख, कठिनाई और लोकप्रिय विद्रोह**
- **आर्थिक कठिनाई**
  - जनसंख्या वृद्धि रोजगार के अवसरों की तुलना में नौकरी चाहने वालों → अधिक है।
  - ग्रामीण पलायन शहर की भीड़भाड़ वाली झुगियों →।
  - छोटे उत्पादकों को इंग्लैंड से मशीन-निर्मित आयात से **प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा**।
  - पूर्वी यूरोप में किसान सामंती दायित्वों के तहत संघर्ष कर रहे थे।
- **विद्रोह**
  - **1848** : भोजन की कमी और बेरोजगारी के कारण पेरिस में विद्रोह हुआ।
    - बैरिकेड्स लगाए गए; **लुई फिलिप भाग गया**।
    - एक **नेशनल असेंबली** ने एक गणतंत्र की घोषणा की, 21 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्क पुरुषों को मताधिकार प्रदान किया, और राष्ट्रीय कार्यशालाओं की स्थापना की।
  - **सिलेसियन बुनकरों का विद्रोह (1845)**:
    - श्रमिकों ने ठेकेदारों द्वारा लगाए गए कम वेतन के खिलाफ विद्रोह किया।
    - इसके परिणामस्वरूप सेना द्वारा हिंसा, संपत्ति का विनाश और ग्यारह बुनकरों की गोली मारकर हत्या हुई।
  - **भाषा और लोकप्रिय परंपराओं की भूमिका**
  - भाषा, संगीत, लोक कथाओं और स्थानीय रीति-रिवाजों ने **राष्ट्रीय पहचान को** मजबूत किया।
  - उदाहरण:
    - जर्मनी: ग्रिम ब्रदर्स द्वारा जोर दी गई लोक संस्कृति।
    - पोलैंड: पोलिश भाषा का उपयोग रूसी शासन के खिलाफ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में किया जाता है।

**Q1:** फ्रांसीसी क्रांति के दौरान पेश किए गए किस वाक्यांश ने सामूहिक पहचान और एकता पर जोर दिया? ए. लिबर्टे, एगैलिते, फ्रेटरनिते  बी। La liberté individuelle C. उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा है। सबसे ऊपर राजशाही

**Q2:** फ्रांसीसी क्रांति के दौरान किन प्रशासनिक सुधारों ने राष्ट्रीय एकता की भावना पैदा करने में मदद की? A. विकेंद्रीकृत कराधान B. समान कानून, केंद्रीकृत प्रशासन, मानकीकृत वजन और माप  ग। स्थानीय रईसों की बढ़ी हुई शक्ति D। क्षेत्रीय बोलियों को प्रोत्साहित करना

**Q3:** फ्रांसीसी क्रांति के बाद किसे "राष्ट्र" का हिस्सा माना जाता था? केवल राजशाही बी। फ्रांस के सभी

**Q11:** नेपोलियन संहिता ने निम्नलिखित में से किस सिद्धांत को प्रस्तुत किया? A. सामंती विशेषाधिकारों का उन्मूलन B  . संपत्ति के अधिकारों को सीमित करना सी। सम्राटों के लिए विशेष शक्ति डी। स्थानीय बोलियों को बढ़ावा देना

**प्रश्न 12:** नेपोलियन के तहत **किस क्षेत्र में** फ्रांसीसी सुधारों का अनुभव नहीं हुआ? A. हॉलैंड बी। स्विट्ज़रलैंड सी। इटली डी। रूस

**प्रश्न 13:** नेपोलियन के सुधारों ने मुख्य रूप से आर्थिक विकास को सुगम बनाया: A. भारी कराधान B. मानकीकृत कानून, वजन और मुद्रा  सी। जबरन भर्ती डी। सेंसरशिप

**प्रश्न 14:** कुछ क्षेत्रों ने शुरू में फ्रांसीसी सेनाओं का स्वागत क्यों किया? वे नए कर चाहते थे बी। उन्हें राजनीतिक स्वतंत्रता और प्रशासनिक दक्षता  की उम्मीद थी सी। वे स्थानीय राजाओं से डरते थे। वे फ्रांसीसी संस्कृति को अपनाना चाहते थे

नागरिक सी।  केवल संपत्ति के मालिक मेंडी। विदेशी सहयोगी

**Q4:** क्रांतिकारी फ्रांस में सामूहिक पहचान बनाने में कौन सी गतिविधि नहीं थी? A. राष्ट्रीय भजनों की रचना B. शहीदों का सम्मान सी। स्थानीय कुलीन विशेषाधिकारों की स्थापना

डी। राष्ट्र के नाम पर शपथ लेना

**Q5:** स्वच्छंदतावाद ने राष्ट्रवाद को प्रभावित किया: A. कारण और विज्ञान पर जोर देना B। राजशाही को प्रोत्साहित करना सी। लोक संस्कृति, भाषा और साझा विरासत  को बढ़ावा देना। व्यापार बाधाओं को कम करना

**Q6:** जोहान गॉटफ्रीड हर्डर ने इस बात पर जोर दिया कि एक राष्ट्र ( वोक्सगेइस्ट) की सच्ची भावना इसमें पाई जाती है: A. राजशाहीबी। आम लोग  सी। सेनाडी। विदेशी शासक

**Q7:** किन भाइयों ने जर्मन राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देने के लिए लोककथाओं को एकत्र किया? A. ग्रिम ब्रदर्स  B. मंटेगाज़ा ब्रदर्स सी। सूची ब्रदर्सडी। बायरन ब्रदर्स

**प्रश्न 8:** पोलैंड में, रूसी कब्जे के तहत राष्ट्रीय पहचान कैसे बनाए रखी गई थी? स्कूलों में रूसी का उपयोग करकेबी। संगीत, लोक नृत्यों और चर्चों और स्कूलों में पोलिश के उपयोग के माध्यम से सी।  फ्रेंच संस्कृति को अपनाकरडी। नेपोलियन की सेनाओं में शामिल होकर

**Q9:** राष्ट्र निर्माण में स्थानीय भाषा, संगीत और लोककथाओं के उपयोग से मदद मिली: A. स्थानीय सामंती प्रभुओं को मजबूत करना B. साझा पहचान और विदेशी प्रभुत्व के प्रतिरोध का निर्माण करें सी।  आर्थिक व्यापार को कम करेंडी। रूढ़िवाद फैलाएं

**Q10:** जर्मनी में, ग्रिम ब्रदर्स द्वारा एकत्र की गई लोक कथाएँ निम्न प्रकार की थीं: A. अभिजात वर्ग का मनोरंजन करें B. जर्मन राष्ट्रीय चेतना  को बढ़ावा देना सी। फ्रेंच भाषा सिखाएँडी। राजशाही को प्रोत्साहित करें

**Q15:** ज़ोलवेरिन (1834) का उद्देश्य था: A. टैरिफ बाधाओं को बढ़ाना B। जर्मन राज्यों के बीच आर्थिक एकता को बढ़ावा देना सी।  सामंती दायित्वों को बहाल करेंडी। ऑस्ट्रियाई नियंत्रण का समर्थन करें

**Q16:** फ्रेडरिक सूची का मानना था कि आर्थिक एकीकरण होगा: A. व्यापार को कम करेगा B। राजनीतिक एकता और राष्ट्रीय भावना  पैदा करें C. अभिजात्य शक्ति को बढ़ाएँ D. रेलवे के विकास को हतोत्साहित करें

**प्रश्न 17:** 19 वीं शताब्दी के यूरोप में किस सामाजिक समूह ने मुख्य रूप से उदार राष्ट्रवाद का समर्थन किया? A. अभिजात वर्ग B. शिक्षित मध्यम वर्ग (वकील, शिक्षक, व्यापारी)  C. ग्रामीण सफर्सडी। पूर्ण सम्राट

**Q18:** प्रारंभिक उदारवाद सभी के लिए खड़ा था: A. व्यक्ति की स्वतंत्रता B। कानून के समक्ष समानता सी। सहमति से सरकार। महिलाओं  के लिए सार्वभौमिक मताधिकार

**Q19:** फ्रांस में 1830 की जुलाई क्रांति के कारण हुआ: A. नेपोलियन बोनापार्ट का उदय B। बॉर्बन राजशाही को उखाड़ फेंकना और लुई फिलिप  सी की स्थापना। बेल्जियम का फ्रांसडी में विलय। पूर्ण राजशाही की बहाली

**Q20:** ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम (1821-1832) इससे प्रभावित था: A. ओटोमन समर्थन B. यूरोपीय राष्ट्रवादी भावना और रोमांटिक आदर्श  सी। ऑस्ट्रियाई सम्राटोंडी। नेपोलियन की सेनाएँ

**Q21:** ग्रीक संघर्ष में लॉर्ड बायरन की क्या भूमिका थी? A. वियना में राजनयिकबी। ग्रीक स्वतंत्रता के लिए वित्त पोषित और लड़ाई सी।  फ्रांसीसी कानून लिखाडी। रूसी कब्जे को बढ़ावा दिया

**Q22:** 1848 में विद्रोह मुख्य रूप से निम्न कारणों से हुए थे: A. आर्थिक कठिनाई, भोजन की कमी और बेरोजगारी  B. नेपोलियन की जीत सी। फ्रांसीसी सांस्कृतिक प्रभुत्व D. इंग्लैंड में औद्योगिकीकरण

**Q23:** सिलेसियन बुनकरों ने विद्रोह कर दिया क्योंकि: A. कर कम कर दिए गए B. ठेकेदारों ने भुगतान में  भारी कटौती की सी। फ्रांसीसी सेनाएं पहुंचींडी। गिल्ड का गठन किया गया

**Q24:** भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत पर स्वच्छंदतावाद के ध्यान ने मदद की: A. उदारवाद को दबाएँबी। जनता के बीच राष्ट्रवादी भावना का निर्माण करें सी।  कराधान बढ़ाएँ D. व्यापार सीमित करें

## ❖ क्रांतियों का युग (1830-1848)

### ➤ फ्रांस में जुलाई क्रांति (1830)

- ग्रीस 15 वीं शताब्दी से ओटोमन साम्राज्य के अधीन था।
- राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर, यूनानियों ने **1821 में अपना संघर्ष शुरू किया।**
- समर्थन से आया:
  - यूनानी निर्वासन
  - यूरोपीय बुद्धिजीवी और रोमांटिक कलाकार
- अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ने धन जुटाया और युद्ध में लड़ाई लड़ी (1824 में मृत्यु हो गई)।
- **कॉन्स्टेंटिनोपल की संधि (1832) ने** आधिकारिक तौर पर ग्रीस को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी।

ग्रीस यूरोप में राष्ट्रवादी सफलता का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया।



### ➤ यूनानी स्वतंत्रता संग्राम (1821-1832)

- ग्रीस 15 वीं शताब्दी से ओटोमन साम्राज्य के अधीन था।
- राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर, यूनानियों ने **1821 में अपना संघर्ष शुरू किया।**
- समर्थन से आया:
  - यूनानी निर्वासन
  - यूरोपीय बुद्धिजीवी और रोमांटिक कलाकार
- अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ने धन जुटाया और युद्ध में लड़ाई लड़ी (1824 में मृत्यु हो गई)।
- **कॉन्स्टेंटिनोपल की संधि (1832) ने** आधिकारिक तौर पर ग्रीस को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी।

ग्रीस यूरोप में राष्ट्रवादी सफलता का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया।



### ➤ स्वच्छंदतावाद और राष्ट्रीय भावना

राष्ट्रवाद केवल युद्धों के माध्यम से नहीं फैला - यह संस्कृति के माध्यम से भी फैला।

**रूमनियत क्या थी?**

- एक सांस्कृतिक आंदोलन इस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है:
  - भावनाएं
  - अंतर्ज्ञान
  - रहस्यमय भावनाएँ
- इसने तर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की।
- इसने एक राष्ट्र के आधार के रूप में एक साझा सांस्कृतिक अतीत के विचार को बढ़ावा दिया।

## ❖ भूख, कठिनाई और लोकप्रिय विद्रोह

**1830 का दशक कई यूरोपीय देशों में गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का दौर था।**

- तेजी से जनसंख्या वृद्धि 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में, यूरोप की आबादी तेजी से बढ़ी, जिससे संसाधनों और नौकरियों पर दबाव पैदा हुआ।
- बेरोजगारी की समस्या नौकरी की तलाश करने वाले लोगों की संख्या उपलब्ध रोजगार के अवसरों से अधिक हो गई।
- शहरों में प्रवासकई लोग काम की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर चले गए।
- भीड़भाड़ वाली झुग्गियां तेजी से पलायन के कारण, शहरों में लोग भीड़-भाड़ वाले और अस्वास्थ्यकर झुग्गी-झोपड़ियों में रहते थे।
- यूरोप में छोटे उत्पादकों और कारीगरों को इंग्लैंड से आयातित सस्ते मशीन-निर्मित सामानों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जहां औद्योगिकीकरण अधिक उन्नत था।

- कपड़ा उद्योग पर प्रभावकपड़ा उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ था क्योंकि उत्पादन ज्यादातर घरों या छोटी कार्यशालाओं में किया जाता था और केवल आंशिक रूप से मशीनीकृत किया जाता था।
- अभिजात वर्ग की शक्तियूरोप के कुछ हिस्सों में, अभिजात वर्ग (जमींदार रईसों) के पास अभी भी ग्रामीण इलाकों पर शक्ति थी।
- किसानों पर बोझ किसानों को सामंती बकाया, करों का भुगतान करना पड़ता था और जमींदारों के प्रति दायित्वों को पूरा करना पड़ता था।
- खाद्य कीमतों में वृद्धि जब खाद्य कीमतों में वृद्धि हुई या फसल विफल हो गई, तो स्थिति और भी बदतर हो गई।
- व्यापक गरीबी इन समस्याओं के कारण कस्बों और गांवों दोनों में व्यापक गरीबी (दरिद्रता) पैदा हो गई।
- पेरिस में 1848 का विद्रोह 1848 में, भोजन की कमी और बेरोजगारी के कारण पेरिस में लोगों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया।
- बैरिकेड्स और विद्रोहप्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स बनाए और सरकार के खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया।
- राजा को भागने के लिए मजबूर किया गयाविद्रोह के परिणामस्वरूप, राजा लुई फिलिप को फ्रांस से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

#### ❖ नेशनल असेंबली और बुनकरों का विद्रोह

- गणतंत्र की घोषणा (1848)
- 1848 में, फ्रांस में नेशनल असेंबली ने फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित किया।
- इससे राजशाही का शासन समाप्त हो गया।
- सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार
- नई सरकार ने 21 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्क पुरुषों को मतदान का अधिकार (मताधिकार) प्रदान किया।
- इससे पहले, केवल संपत्ति के मालिक लोग ही मतदान कर सकते थे।
- काम करने का अधिकार
- सरकार ने नागरिकों को काम करने के अधिकार की भी गारंटी दी।
- इसका मतलब यह था कि राज्य ने रोजगार प्रदान करने की जिम्मेदारी स्वीकार की।
- राष्ट्रीय कार्यशालाएं
- बेरोजगारी को कम करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय कार्यशालाओं की स्थापना की।
- इन कार्यशालाओं ने बेरोजगार श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया।

#### ❖ सिलेसियन बुनकरों का विद्रोह (1845)

##### विद्रोह की पृष्ठभूमि

- 1845 में, सिलेसिया (प्रशिया का एक क्षेत्र) में बुनकरों ने विद्रोह कर दिया।
- वे उन ठेकेदारों के लिए काम करते थे जो कच्चे माल की आपूर्ति करते थे और उन्हें तैयार कपड़े के लिए ऑर्डर देते थे।

##### ठेकेदारों द्वारा शोषण

- ठेकेदारों ने बुनकरों को दी जाने वाली मजदूरी को बहुत कम कर दिया।
- श्रमिकों को अत्यधिक गरीबी और दुख का सामना करना पड़ा।

##### विल्हेम वोल्फ द्वारा विवरण

- पत्रकार विल्हेम वोल्फ ने श्रमिकों की भयानक रहने की स्थिति का वर्णन किया।
- लगभग 18,000 लोगों वाले गांवों में, कपास की बुनाई मुख्य व्यवसाय था, लेकिन श्रमिकों को बहुत नुकसान हो रहा था।

##### बुनकरों का विरोध

- 4 जून 1845 को, बुनकरों की एक बड़ी भीड़ ने उच्च मजदूरी की मांग करते हुए ठेकेदार की हवेली तक मार्च किया।

##### ठेकेदार की प्रतिक्रिया

- ठेकेदार ने उनकी मांगें सुनने के बजाय उनका अपमान किया और धमकी दी।

##### संपत्ति का विनाश

- गुस्साए बुनकरों ने हवेली में खिड़कियां, फर्नीचर और चीनी मिट्टी के बरतन तोड़ दिए।
- एक अन्य समूह भंडारगृह में घुस गया और कपड़े की आपूर्ति को नष्ट कर दिया।

##### सेना का हस्तक्षेप

- ठेकेदार भाग गया लेकिन बाद में सेना के साथ लौट आया।

##### श्रमिकों के खिलाफ हिंसा

- सेना के साथ टकराव में ग्यारह बुनकरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

#### ❖ 1848: उदारवादियों की क्रांति

##### 1848 में उदारवादी क्रांति

- 1848 में, पूरे यूरोप में गरीब किसानों, श्रमिकों और बेरोजगार लोगों द्वारा विद्रोह हो रहे थे।
- साथ ही शिक्षित मध्यम वर्ग (उदारवादियों) के नेतृत्व में एक अलग क्रांति भी शुरू हुई।

##### 1848 की फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव

- फरवरी 1848 में, फ्रांस के राजा ने गद्दी छोड़ दी (सिंहासन छोड़ दिया)।
- सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार पर आधारित एक गणतंत्र की स्थापना की गई थी।

##### उदारवादी मध्यम वर्ग की मांगें

- जर्मनी, इटली, पोलैंड और ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य जैसे देशों में, स्वतंत्र राष्ट्र-राज्य मौजूद नहीं थे।
- उदार मध्यम वर्ग के लोगों ने मांग की:
  - राष्ट्रीय एकीकरण
  - संवैधानिक सरकार
  - प्रेस की स्वतंत्रता
  - संघ की स्वतंत्रता
  - संसदीय सिद्धांतों पर आधारित सरकार

## ❖ फ्रैंकफर्ट संसद (जर्मनी)

### राजनीतिक संघों का गठन

- कई मध्यम वर्ग के पेशेवरों, व्यापारियों और कारीगरों ने राजनीतिक समूहों का गठन किया।
- वे फ्रैंकफर्ट शहर में इकट्ठे हुए।

### अखिल जर्मन नेशनल असेंबली

- उन्होंने एक संयुक्त जर्मन राष्ट्र बनाने के लिए एक अखिल जर्मन नेशनल असेंबली बनाने का फैसला किया।

### फ्रैंकफर्ट संसद की बैठक

- 18 मई 1848 को, 831 निर्वाचित प्रतिनिधि फ्रैंकफर्ट में सेंट पॉल के चर्च में मिले।

### संविधान का मसौदा तैयार करना

- विधानसभा ने एक संयुक्त जर्मनी के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार किया।
- इसने एक संसद के साथ एक संवैधानिक राजतंत्र का प्रस्ताव रखा।

### प्रशिया के राजा को ताज की पेशकश

- जर्मनी का ताज प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विल्हेम चतुर्थ को दिया गया था।

### राजा द्वारा अस्वीकृति

- राजा ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह एक निर्वाचित सभा से ताज स्वीकार नहीं करना चाहता था।

### फ्रैंकफर्ट संसद की विफलता

- अभिजात वर्ग और सेना ने संसद का विरोध किया।
- मध्यम वर्ग ने श्रमिकों और कारीगरों की मांगों का समर्थन करने से इनकार कर दिया, इसलिए उन्होंने अपना समर्थन खो दिया।
- अंत में, सैनिकों को भेजा गया और विधानसभा को भंग कर दिया गया।

## ❖ महिला और उदारवादी आंदोलन

### महिलाओं की भागीदारी

- कई महिलाओं ने उदारवादी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- उन्होंने राजनीतिक संघों का गठन किया, समाचार पत्र शुरू किए, और बैठकों और प्रदर्शनों में शामिल हुए।

### राजनीतिक अधिकारों से इनकार

- उनकी भागीदारी के बावजूद, महिलाओं को मतदान के अधिकार और राजनीतिक समानता से वंचित कर दिया गया था।

## ❖ महिलाओं के अधिकारों पर बहस

### कार्ल वेल्कर का दृश्य

- उदारवादी राजनीतिज्ञ कार्ल वेल्कर का मानना था कि:
  - पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग प्राकृतिक भूमिकाएं होती हैं।
  - पुरुषों को सार्वजनिक मामलों को संभालना चाहिए।
  - महिलाओं को घर और परिवार पर ध्यान देना चाहिए।

### लुईस ओटो-पीटर्स का दृश्य

- लुईस ओटो-पीटर्स, एक नारीवादी कार्यकर्ता, ने तर्क दिया:
  - स्वतंत्रता सभी लोगों के लिए होनी चाहिए, न कि केवल पुरुषों के लिए।
  - स्वतंत्रता अविभाज्य है, जिसका अर्थ है कि इसमें महिलाओं को शामिल किया जाना चाहिए।

### एक पाठक द्वारा तर्क (1850)

- ओटो-पीटर्स के अखबार के एक पाठक ने तर्क दिया कि:
  - महिलाएं संपत्ति के मालिक हैं और राज्य में योगदान करती हैं।
  - फिर भी उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जाता है, जो अन्यायपूर्ण है।

## जर्मनी और इटली का निर्माण

### ❖ जर्मनी - क्या सेना एक राष्ट्र की वास्तुकार हो सकती है?

#### 1. 1848 के बाद राष्ट्रवाद में परिवर्तन

- 1848 के बाद, यूरोप में राष्ट्रवाद अब लोकतंत्र और क्रांति से जुड़ा नहीं था।
- इसके बजाय, रूढ़िवादी शासकों ने अपनी राज्य शक्ति और राजनीतिक नियंत्रण बढ़ाने के लिए राष्ट्रवाद का इस्तेमाल किया।

## 2. जर्मन एकीकरण का प्रारंभिक प्रयास

- 1848 में, जर्मन मध्यम वर्ग के उदारवादियों ने जर्मन राज्यों को एकजुट करने की कोशिश की।
- वे एक निर्वाचित संसद के साथ एक राष्ट्र-राज्य चाहते थे।

## 3. उदारवादी आंदोलन की विफलता

- आंदोलन विफल रहा क्योंकि:
  - राजशाही और सेना ने इसका विरोध किया।
  - प्रशिया के बड़े जमींदारों (जंकर्स) ने राजशाही का समर्थन किया।

## 4. प्रशिया का नेतृत्व

- इस विफलता के बाद, प्रशिया ने जर्मन एकीकरण का नेतृत्व संभाला।

## 5. ओटो वॉन बिस्मार्क की भूमिका

- प्रशिया के मुख्यमंत्री ओटो वॉन बिस्मार्क एकीकरण के मुख्य नेता बने।
- उन्होंने सेना, नौकरशाही और मजबूत राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल किया।

## 6. जर्मन एकीकरण के लिए युद्ध

बिस्मार्क ने सात वर्षों में तीन युद्ध लड़े:

- डेनमार्क के साथ युद्ध (1864)
- ऑस्ट्रिया के साथ युद्ध (1866)
- फ्रांस के साथ युद्ध (1870-71)

ये सभी युद्ध प्रशिया की जीत में समाप्त हुए और जर्मन राज्यों को एकजुट करने में मदद की।

## 7. जर्मन साम्राज्य की घोषणा

- जनवरी 1871 में, प्रशिया के राजा विलियम प्रथम को जर्मन सम्राट (कैसर) घोषित किया गया था।
- यह समारोह फ्रांस के पैलेस ऑफ वर्साय में हुआ।

## 8. मजबूत प्रशिया प्रभाव

- नए जर्मन साम्राज्य ने प्रशिया प्रणालियों का पालन किया:
  - मुद्रा
  - बैंकिंग
  - कानूनी और न्यायिक प्रणाली।



Fig. 12 – Unification of Germany (1866-71).

## ❖ इटली एकीकृत

### इटली का राजनीतिक विखंडन

- जर्मनी की तरह इटली भी लंबे समय तक कई छोटे राज्यों में बंटा हुआ था।
- इटालियंस विभिन्न राजवंशीय शासकों और विदेशी साम्राज्यों के अधीन रहते थे।

### इटली सात राज्यों में विभाजित

- 19 वीं शताब्दी के मध्य में, इटली को सात राज्यों में विभाजित किया गया था।

### विभिन्न क्षेत्रों का नियंत्रण

- सार्डिनिया-पीडमोंट - एक इतालवी रियासत के घर द्वारा शासित।
- उत्तरी इटली - ऑस्ट्रियाई हैब्सबर्ग साम्राज्य द्वारा नियंत्रित।
- मध्य इटली - पोप द्वारा शासित।
- दक्षिणी इटली - स्पेन के बॉर्बन राजाओं द्वारा शासित।

### भाषा अंतर

- कोई एक इतालवी भाषा नहीं थी।
- लोग कई क्षेत्रीय बोलियाँ बोलते थे।

## ❖ महत्वपूर्ण नेताओं की भूमिका

### ग्यूसेप माज़िनी

- 1830 के दशक में, ग्यूसेप माज़िनी ने एक एकजुट इतालवी गणराज्य बनाने के लिए एक आंदोलन शुरू किया।
- उन्होंने राष्ट्रवादी विचारों को फैलाने के लिए यंग इटली नामक एक गुप्त समाज का गठन किया।

## प्रारंभिक क्रांतियों की विफलता

- 1831 और 1848 में क्रांतिकारी प्रयास विफल रहे।
- इसके बाद, नेतृत्व सार्डिनिया-पीडमोंट के पास चला गया।

## राजा विक्टर इमैनुएल द्वितीय की भूमिका

- सार्डिनिया-पीडमोंट के शासक राजा विक्टर इमैनुएल द्वितीय ने युद्धों के माध्यम से इटली के एकीकरण का समर्थन किया।

## काउंट कैवोर की भूमिका

- मुख्यमंत्री काउंट कैमिलो डी कैवोर ने राजनीतिक आंदोलन का नेतृत्व किया।
- उन्होंने क्रांति के बजाय कूटनीति और गठबंधन का इस्तेमाल किया।

## फ्रांस के साथ गठबंधन

- कैवोर ने फ्रांस के साथ गठबंधन किया।
- साथ में उन्होंने 1859 में ऑस्ट्रिया को हराया, जिससे उत्तरी क्षेत्र एकीकरण के करीब आ गए।

## ग्यूसेप गैरीबाल्डी की भूमिका

- ग्यूसेप गैरीबाल्डी ने सशस्त्र स्वयंसेवकों (रेड शर्ट्स) का नेतृत्व किया।
- 1860 में, उन्होंने दक्षिण इटली और दो सिसिली के साम्राज्य पर कब्जा कर लिया।

## किसानों का समर्थन

- गैरीबाल्डी ने स्पेनिश शासकों को हटाने के लिए स्थानीय किसानों से समर्थन प्राप्त किया।

## संयुक्त इटली का गठन

- 1861 में, विक्टर इमैनुएल द्वितीय को संयुक्त इटली का राजा घोषित किया गया था।

## राष्ट्रीय जागरूकता का अभाव

- कई इटालियंस अनपढ़ थे और राष्ट्रवाद से अनजान थे।
- कुछ किसानों ने सोचा कि "इटालिया" राजा की पत्नी का नाम था।

## ❖ ब्रिटेन का अजीब मामला

### एक आदर्श राष्ट्र-राज्य के रूप में ब्रिटेन

- कुछ इतिहासकारों का कहना है कि ब्रिटेन दुनिया के पहले राष्ट्र-राज्यों में से एक था।
- लेकिन इसका गठन फ्रांस के विपरीत अचानक क्रांति के माध्यम से नहीं हुआ था।

## राष्ट्र निर्माण की लंबी प्रक्रिया

- ब्रिटिश राष्ट्र कई शताब्दियों में धीरे-धीरे विकसित हुआ।
- 18 वीं शताब्दी से पहले, कोई भी ब्रिटिश राष्ट्र नहीं था।

## विभिन्न जातीय समूह

ब्रिटिश द्वीपों में लोगों की अलग-अलग पहचान थी:

- अंग्रेज़ी
- वेल्श
- स्कॉट्स
- आयरिश

प्रत्येक समूह की अपनी संस्कृति, परंपराएं और राजनीतिक प्रणालियां थीं।

## अंग्रेजी शक्ति का उदय

- समय के साथ, इंग्लैंड अमीर और अधिक शक्तिशाली हो गया।
- इंग्लैंड ने धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बढ़ाया।

## अंग्रेजी संसद की भूमिका

- 1688 में, अंग्रेजी संसद ने राजशाही (गौरवशाली क्रांति) से शक्ति प्राप्त की।
- संसद ने इंग्लैंड के प्रभुत्व वाले राष्ट्र-राज्य के निर्माण में मदद की।

## संघ का अधिनियम (1707)

- इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच संघ के अधिनियम (1707) ने यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का निर्माण किया।
- हालांकि, नई संसद में इंग्लैंड का दबदबा था।

## स्कॉटिश संस्कृति का दमन

- स्कॉटलैंड की विशिष्ट संस्कृति और संस्थान कमजोर हो गए थे।
- स्कॉटिश हाइलैंडर्स थे:
  - गेलिक बोलने के लिए मना किया गया
  - पारंपरिक पोशाक पहनने की अनुमति नहीं है

- कई लोगों को अपनी मातृभूमि छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

### आयरलैंड में स्थिति

- आयरलैंड कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के बीच विभाजित था।
- अंग्रेजों ने आयरलैंड को नियंत्रित करने के लिए प्रोटेस्टेंट का समर्थन किया।

### आयरिश विद्रोह

- 1798 में, वोल्फ टोन और यूनाइटेड आयरिशमैन ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया।
- विद्रोह विफल हो गया।

### आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम में शामिल हो गया

- 1801 में, आयरलैंड को जबरन यूनाइटेड किंगडम में शामिल किया गया था।

### ब्रिटिश पहचान का निर्माण

एक नई ब्रिटिश राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देकर बनाया गया था:

- यूनियन जैक (ब्रिटिश ध्वज)
- राष्ट्रगान - "भगवान हमारे महान राजा को बचाएं"
- अंग्रेजी भाषा

### अन्य राष्ट्रों की स्थिति

- स्कॉटलैंड, वेल्स और आयरलैंड अंग्रेजी प्रभुत्व के तहत अधीनस्थ भागीदार बन गए।

### ❖ राष्ट्र की कल्पना

#### एक राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने की समस्या

- किसी चित्र या मूर्ति के माध्यम से किसी राजा या शासक का प्रतिनिधित्व करना आसान है।
- लेकिन एक राष्ट्र एक अमूर्त विचार है, इसलिए कलाकारों को इसका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक और तरीके की आवश्यकता थी।

#### राष्ट्र का मानवीकरण

- 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में, कलाकारों ने एक व्यक्ति के रूप में एक राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।
- इस विधि को मानवीकरण कहा जाता है।

#### प्रतीक के रूप में महिला आकृति

- राष्ट्रों को अक्सर महिला आकृतियों के रूप में दिखाया जाता था।
- ये आंकड़े एक वास्तविक महिला का प्रतिनिधित्व नहीं करते थे, बल्कि राष्ट्र का प्रतीक थे।

#### रूपक

- राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपयोग की जाने वाली महिला आकृति को रूपक कहा जाता है।
- रूपक का अर्थ होता है, किसी व्यक्ति या वस्तु के माध्यम से एक अमूर्त विचार (जैसे स्वतंत्रता या राष्ट्र) को व्यक्त करना।

### ❖ रूपक के उदाहरण

#### फ्रांसीसी क्रांति के दौरान

महिला रूपक ने इस तरह के विचारों का प्रतिनिधित्व किया:

- स्वतंत्रता
- जज
- गणतांत्रिक राज्य

#### प्रयुक्त प्रतीक

विभिन्न वस्तुएं विचारों का प्रतीक हैं:

- लिबर्टी → लाल टोपी
- टूटी हुई जंजीर → उत्पीड़न से मुक्ति
- न्याय → तराजू के साथ आंखों पर पट्टी बांधी महिला

### ❖ मैरिएन - फ्रांस का प्रतीक

#### फ्रेंच राष्ट्रीय रूपक

- फ्रांस में, राष्ट्र के महिला प्रतीक को मैरिएन कहा जाता था।

#### मैरिएन के लक्षण

- लाल टोपी
- तिरंगा झंडा
- कॉर्केड (बैज)



Fig. 16 — Postage stamps of 1850 with the figure of Marianne representing the Republic of France.

## मैरिएन का उपयोग

- मैरिएन की मूर्तियों को **सार्वजनिक चौकों** पर रखा गया था।
- उसकी छवि सिक्कों और डाक टिकटों पर **दिखाई दी**।
- वह फ्रांस की एकता और राष्ट्रीय पहचान का **प्रतीक थीं**।

## ❖ जर्मनिया - जर्मनी का प्रतीक

### जर्मन राष्ट्रीय रूपक

- जर्मनी में, राष्ट्र के महिला प्रतीक को **जर्मनिया कहा जाता था**।

### शक्ति का प्रतीक

- जर्मनिया ने **ओक के पत्तों का मुकुट** पहना था।
- जर्मन ओक का पेड़ **वीरता और ताकत का प्रतीक था**।

## प्रतीकों का अर्थ (जर्मनिया)

प्रतीक / विशेषता	अर्थ/महत्व
टूटी हुई जंजीरें	उत्पीड़न या गुलामी से मुक्ति
ईगल के साथ ब्रेस्टप्लेट	जर्मन साम्राज्य <b>और ताकत</b> का प्रतीक
ओक के पत्तों का मुकुट	वीरता और साहस का प्रतिनिधित्व करता है
कटार	राष्ट्र के लिए लड़ने की तत्परता
तलवार के चारों ओर जैतून की शाखा	शांति की इच्छा <b>लेकिन जरूरत पड़ने पर युद्ध के लिए तत्परता</b>
काला, लाल और सुनहरा तिरंगा	1848 में उदारवादी राष्ट्रवादियों का <b>ध्वज</b> (बाद में जर्मनी का राष्ट्रीय रंग बन गया)
उगते सूरज की किरणें	<b>एक नए युग या नए राष्ट्र की शुरुआत</b>